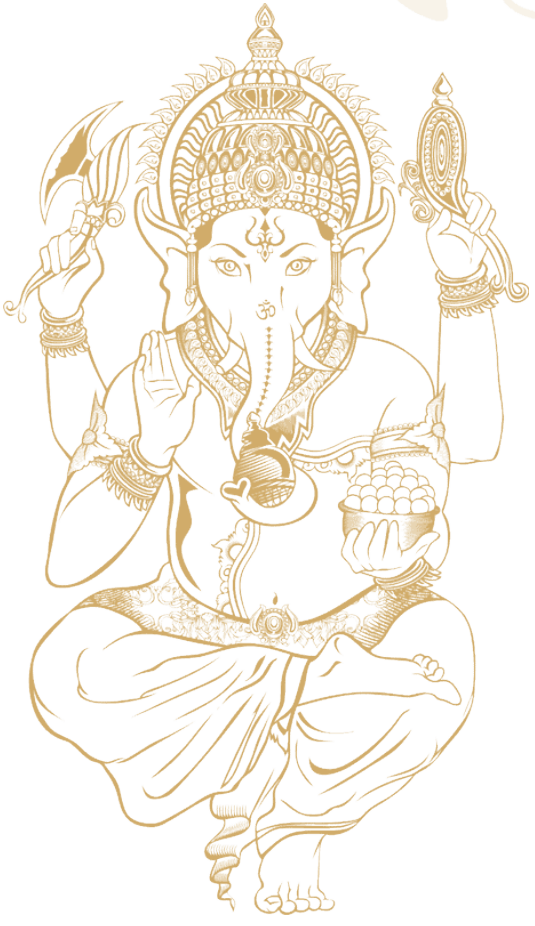

Mr.Jayesh

Ms. Jagruti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119068005

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/08/2000	जन्म तिथि	01/10/1999
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:00:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 37:55:24	जन्म समय(घटी)	35:40:19 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:50	सूर्योदय	06:13:52
19:01:08	सूर्यास्त	18:07:42
23:51:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:59

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 1वर्ष 0मा 17दि	10:31:33	मीन	लग्न	वृष	01:30:55	राहु 17वर्ष 6मा 7दि
राहु	28:16:14	कर्क	सूर्य	कन्या	14:08:14	गुरु
01/09/2008	21:56:14	मक	चंद्र	मिथु	07:01:16	09/04/2017
01/09/2026	14:54:07	कर्क	मंगल	वृश्चि	25:13:03	09/04/2033
राहु 15/05/2011	20:25:53	कर्क	बुध	तुला	00:47:42	गुरु 28/05/2019
गुरु 07/10/2013	14:06:23	वृष	गुरु व	मेष	08:54:09	शनि 09/12/2021
शनि 13/08/2016	15:52:05	सिंह	शुक्र	सिंह	02:00:33	बुध 15/03/2024
बुध 03/03/2019	06:22:54	वृष	शनि व	मेष	22:25:14	केतु 19/02/2025
केतु 20/03/2020	00:40:09	कर्क व	राहु व	कर्क	17:26:50	शुक्र 21/10/2027
शुक्र 21/03/2023	00:40:09	मक व	केतु व	मक	17:26:50	सूर्य 09/08/2028
सूर्य 13/02/2024	24:50:54	मक व	हर्ष व	मक	19:12:18	चन्द्र 09/12/2029
चन्द्र 14/08/2025	10:50:45	मक व	नेप व	मक	07:46:51	मंगल 14/11/2030
मंगल 01/09/2026	16:18:04	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:24:14	राहु 09/04/2033

लग्न-चलित

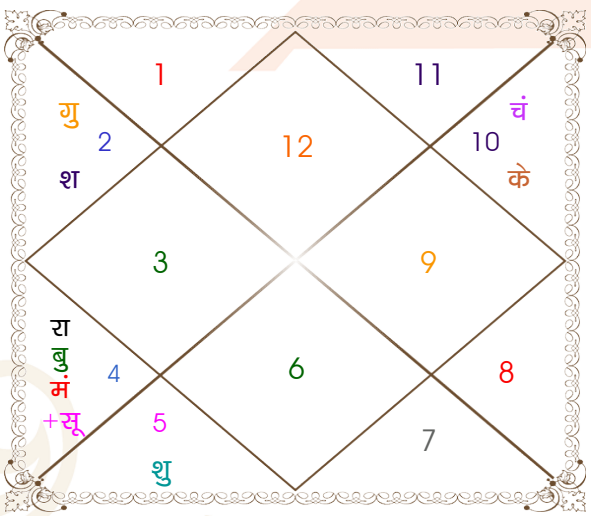

लग्न-चलित

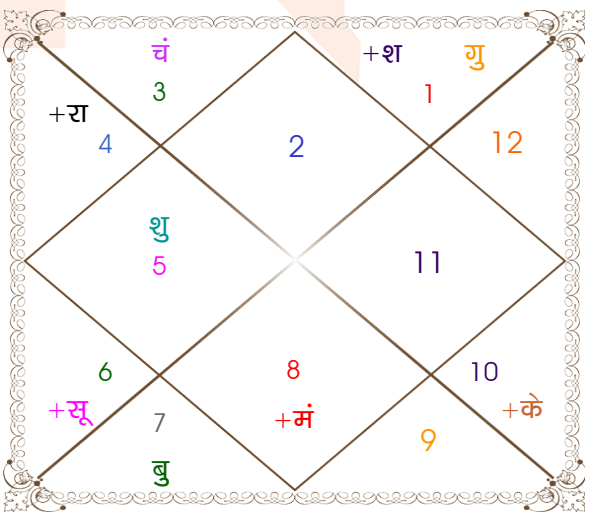

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Jayesh का वर्ग मार्जार है तथा डेण श्रंहतनजप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Jayesh और डेण श्रंहतनजप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Jayesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण श्रंहतनजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण श्रंहतनजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Jayesh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

Mr.Jayesh तथा डेण श्रंहतनजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।